# प्रधानमंत्री ने बिहार में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में **प्रधानमंत्री** ने बिहार के दरभंगा में **12,100 करोड़ रुपए** की लागत वाली [अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) अस्पताल]() और **अन्य परियोजनाओं** की आधारशिला रखी।

- पूरे क्षेत्र में **रेल, सड़क, स्वास्थ्य और ऊर्जा क्षेत्र में 25 अतिरिक्त परियोजनाओं** का भी उद्घाटन किया गया।

## प्रमुख बिंदु

**परियोजनाओं के बारे में:**

- **AIIMS, दरभंगा परियोजना:**
  - **दरभंगा में AIIMS परियोजना**, जिसकी लागत 1264 करोड़ रुपए है और जो **शोभन क्षेत्र** में 187 एकड़ क्षेत्र में फैली है, तीन वर्षों के भीतर पूरी होने की उम्मीद है।
  - यह **बिहार में दूसरा AIIMS** होगा, जिसका उद्देश्य राज्य में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढाँचे का विस्तार करना है।
  - इस परियोजना में एक **सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल, एक [आयुष]() ब्लॉक, एक मेडिकल कॉलेज, एक नर्सिंग कॉलेज**, साथ ही एक **रात्रि आश्रय और कर्मचारियों के लिये आवासीय सुविधाएँ शामिल होंगी।**
  - यह बिहार और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को **उन्नत तृतीयक स्वास्थ्य सेवाएँ** प्रदान करेगा।
- **जन औषधि केंद्र:**
  - प्रधानमंत्री **सस्ती दवाओं की उपलब्धता बढ़ाने** के लिये देश भर के **रेलवे स्टेशनों पर 18 [जन औषधि केंद्रों]()** का उद्घाटन करेंगे।
  - इन केंद्रों का उद्देश्य **जेनेरिक दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देना है**, जिससे यात्रियों के लिये स्वास्थ्य देखभाल की लागत कम करने में मदद मिलेगी।
  - इसे विशेष रूप से गरीबों और वंचितों के लिये **सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ उपलब्ध कराने के लिये शुरू** किया गया था, और सितंबर 2015 में इसे [प्रधानमंत्री जन औषधि योजना (PMJAY)]() के रूप में पुनर्जीवित किया गया।

**राष्ट्रीय राजमार्ग विकास:**

- प्रधानमंत्री 5,070 करोड़ रुपए की लागत वाली **विभिन्न राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास** करेंगे।
- **इसमें NH-327E पर नया फोर लेन वाला गलगलिया-अररिया खंड** भी शामिल है, जो **अररिया से पश्चिम बंगाल** तक एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करेगा।

**रेलवे अवसंरचना परियोजनाएँ:**

- 1,740 करोड़ रुपए से अधिक की रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा, जिसमें **गेज़ परिवर्तन** और यातायात की भीड़ को कम करने के लिये **बाईपास लाइन** भी शामिल है।
- झंझारपुर-लौकहा बाज़ार खंड में नई **मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (MEMU) ट्रेन सेवाएँ** आसपास के समुदायों के लिये नौकरियों और शिक्षा तक पहुँच में सुधार लाएगी।
  - MEMU एक **[इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (EMU)]() ट्रेन** है जो छोटी और मध्यम दूरी के मार्गों पर चलती है।

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र की पहल:**

- प्रधानमंत्री **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र** में 4,020 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे।
- इनमें **भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड** द्वारा बिहार के पाँच ज़िलों - **दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, सीतामढी और शिवहर में [सिटी गैस वितरण नेटवर्क]() शामिल है।**
- प्रधानमंत्री ने आयात पर निर्भरता कम करने के लिये **बरौनी रिफाइनरी में एक नई [बिटुमेन]()** विनिर्माण इकाई की आधारशिला भी रखी।

## आयुष

- आयुष भारत में प्रचलति चकित्सा प्रणालयों का संक्षप्ति नाम है जैसे:
    - **आयुर्वेद:** समग्र कल्याण पर ज़ोर देने वाली प्राचीन प्रणाली।
    - **योग:** शारीरकि आसन और ध्यान के माध्यम से शरीर, मन और आत्मा का मलिन।
    - **प्राकृतकि चकित्सा:** जल, वायु और आहार जैसे तत्त्वों का उपयोग करके प्राकृतकि उपचार।
    - **यूनानी:** हर्बल औषधयों और हास्य सद्धिांत के माध्यम से संतुलन बहाली।
    - **सद्धि:** पारंपरकि तमलि चकित्सा, जसिकी जड़ें पंच तत्त्वों और द्रव्यों में हैं।
    - **होम्योपैथी:** स्व-उपचार प्रतक्रियाओं को उत्तेजति करने वाली अत्यधकि तनु औषधयाँ।
- ये प्रणालयाँ **नश्चिति चकित्सा दर्शन** पर आधारति हैं और **रोगों की रोकथाम** तथा स्वास्थ्य संवर्द्धन की **स्थापति अवधारणाओं के साथ स्वस्थ जीवन जीने** का एक तरीका प्रस्तुत करती हैं।
- **आयुष मंत्रालय** भारत में आयुष की शक्षा, अनुसंधान और प्रचार-प्रसार के वकिास के लयि ज़म्मिेदार है।

//

# आयुष चिकित्सा पद्धति

*आयुष में आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी शामिल हैं, आयुर्वेद का 5000+ वर्षों का प्रलेखित इतिहास है।*

## आयुर्वेद

भगवान ब्रह्मा को आयुर्वेद का प्रथम प्रवर्तक माना जाता है

- **संहिता काल (1000 ईसा पूर्व):** परिपक्व चिकित्सा प्रणाली के रूप में उभरा
  - **चरक संहिता:** सबसे प्राचीन और आधिकारिक संहिता
  - **सुश्रुत संहिता:** आठ विशिष्टताओं में मौलिक सिद्धांत और चिकित्सीय विधियाँ प्रदान करती है
- **मुख्य शाखा:**
  - **आत्रेय पुनर्वसु**- चिकित्सकों की शाखा
  - **दिवोदास धन्वंतरि** - शल्यचिकित्सकों की शाखा

### आयुर्वेद की शाखाएँ

- काय चिकित्सा- चिकित्सा।
- शल्य चिकित्सा- सर्जरी।
- शालाक्य तंत्र- ईएनटी और नेत्र विज्ञान।
- बाल रोग चिकित्सा।
- अगद तंत्र- विष विज्ञान।
- भूतविद्या - मनोरोग।
- रसायन- कायाकल्प चिकित्सा और जराचिकित्सा।
- वाजीकरण तंत्र- सेक्सोलॉजी।

## योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा

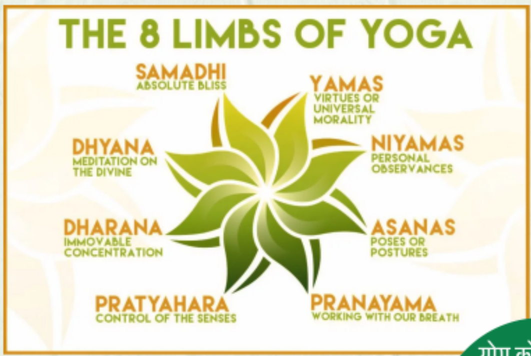


योग को सर्वप्रथम महर्षि पतंजलि ने व्यवस्थित रूप में योगसूत्र के रूप में प्रतिपादित किया

- **प्राकृतिक चिकित्सा:** 5 प्राकृतिक तत्वों - पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश की सहायता से उपचार
  - शरीर की स्व-उपचार क्षमता सिद्धांतों और स्वस्थ जीवन के सिद्धांतों पर आधारित
  - रोग-केंद्रित दृष्टिकोण के स्थान पर व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है

## यूनानी

**ग्रीस में अग्रणी, अरबों द्वारा 7 सिद्धांतों के रूप में विकसित (उमूर-ए-तब्बिया)**

- बुकरात (हिप्पोक्रेट्स) और जालीनूस (गैलेन) की शिक्षाओं के ढाँचे के आधार पर
  - चार ह्युमर्स का हिप्पोक्रेटिक सिद्धांत अर्थात् रक्त, कफ, पीला पित्त और काला पित्त
- WHO द्वारा मान्यता प्राप्त और भारत द्वारा वैकल्पिक स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में आधिकारिक दर्जा प्रदान किया गया

## सिद्ध

**10000 - 4000 ईसा पूर्व; सिद्धर अगस्तियार- सिद्ध चिकित्सा के जनक**

- निवारक, प्रोत्साहनात्मक, उपचारात्मक, पुनर्जीवनात्मक और पुनर्वासात्मक स्वास्थ्य देखभाल
- **4 घटक:** लैट्रो-रसायन विज्ञान, चिकित्सा अभ्यास, योग अभ्यास और बुद्धि
- 3 निदानात्मक ह्युमर्स (मुक्कुट्रम) और 8 महत्त्वपूर्ण परीक्षणों (एन्वागई थेरवु) पर आधारित है

**आयुर्वेद के 3 गुण (त्रिदोष): वात, पित्त और कफ**

## सोवा रिग्पा

**उत्पत्ति: भगवान बुद्ध के समय 2500 वर्ष पूर्व भारत में**

- लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश आदि के हिमालयी क्षेत्रों में पारंपरिक चिकित्सा।
- भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (वर्ष 2010 में संशोधित) द्वारा भारत में मान्यता प्राप्त।

## होम्योपैथी

**जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया**

- जर्मन चिकित्सक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन ने इसके मूलभूत सिद्धांतों को संहिताबद्ध किया।
- औषधियाँ मुख्यतः प्राकृतिक पदार्थों (पौधे उत्पाद, खनिज, पशु स्रोत) से तैयार की जाती हैं।
- वर्ष 1810 में यूरोपीय मिशनरियों द्वारा भारत में लाया गया; वर्ष 1948 में आधिकारिक मान्यता प्रदान की गई।
- **3 प्रमुख सिद्धांत:**
  - सिमिलिया सिमिलिबस क्यूरेंटूर ("सम: समम् शमयति" या "समरूपता")
  - सिंगल मेडिसिन
  - मिनिमम डोज़

Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pm-inaugurates-various-projects-in-bihar